संपादकीय

पढ़ना कल्पनाशीलता को बढ़ावा देने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है । जितना अधिक हम पढ़ेंगे, उतना ही बेहतर हम अपने ज्ञान का निर्माण और विस्तार कर सकते हैं। हम नए विचारों के प्रति खुले रह सकते हैं और नई चीज़ों की समझ रख सकते हैं। पढ़ने से हमें कल्पना का अभ्यास करने में मदद मिलती है क्योंकि शब्द एक निश्चित छवि का वर्णन करते हैं जबकि पाठक मन में छवि में हेरफेर करता है। यह अभ्यास दिमाग को मजबूत बनाता है क्योंकि यह मांसपेशियों की तरह काम करता है।

कल्पना के कई फायदे हैं. यह रचनात्मकता को प्रोत्साहित करता है , जिससे नए विचार सामने आते हैं। यह नवप्रवर्तन में भी बहुत बड़ी भूमिका निभाता है । कल्पना के बिना, लोग नए आविष्कारों और नए विचारों के साथ आने में सक्षम नहीं होंगे जो समाज को आगे बढ़ाने में मदद करते हैं। यह खोज और समझ को भी बढ़ावा देता है। तर्क से जुड़ी कल्पना और जादुई सोच खोज, नवाचार और नई समझ को प्रेरित करती है | कल्पनाशील और जादुई सोच को विकसित करने और संलग्न करने में साहित्य की महत्वपूर्ण भूमिका है । इससे पता चलता है कि पढ़ना कल्पनाशील सोच को बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिससे नवीनता और समझ पैदा हो सकती है।

'विद्यालय पत्रिका' छात्रों की इसी कल्पनाशीलता का प्रस्तुतीकरण है | आशा है सुधी पाठक इन बाल कल्पनाओं की प्रस्तुति से प्रभावित होंगे | पत्रिका में सम्मिलित रचनाओं की मौलिकता का दायित्व पूर्णतया रचनाकार का है |

प्रभुसिंह रावत

स्नातकोत्तर शिक्षक, हिंदी